

टिळक शिक्षण महाविद्यालय

पुणे-३०.

बी.एड.द्वितीय वर्ष २०१६-१७

विषय-हिंदी

९ और १० कक्षा के साहित्यिकों का सामान्य परिचय

नाम- चक्रनारायण प्रेरणा प्रविण
हजेरी क्रमांक-०५.

साहित्यिकों का परिचय

प्रस्तावना

हिंदी साहित्य कविताएँ पद्य-गद्य, पद्य में कविताएँ गद्य में रेखाचित्र, संस्मरण, जीवनी आत्मकथा, डायरी, रिपोर्टाज, यात्रा वृत्तांत, पत्र, नाटक, कहानियाँ इन सब से हिंदी साहित्य का आधुनिक काल भारत के इतिहास के बदलते हुए स्वरूप से प्रभावित था। स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रीयता की भावना का प्रभाव साहित्य में भी आया, और इन साहित्य के रचनाकार हिंदी साहित्यिक और उनका कार्य, उनका जीवन परिचय, सामान्य परिचय हमें मालूम होना चाहिए।

१).दुष्यंत कुमार

नाम- दुष्यंत कुमार

जन्म- ०१ सितम्बर १९३३

मृत्यु- ३० दिसम्बर १९७५

जन्मस्थान- राजपूर नवाडा गाँव

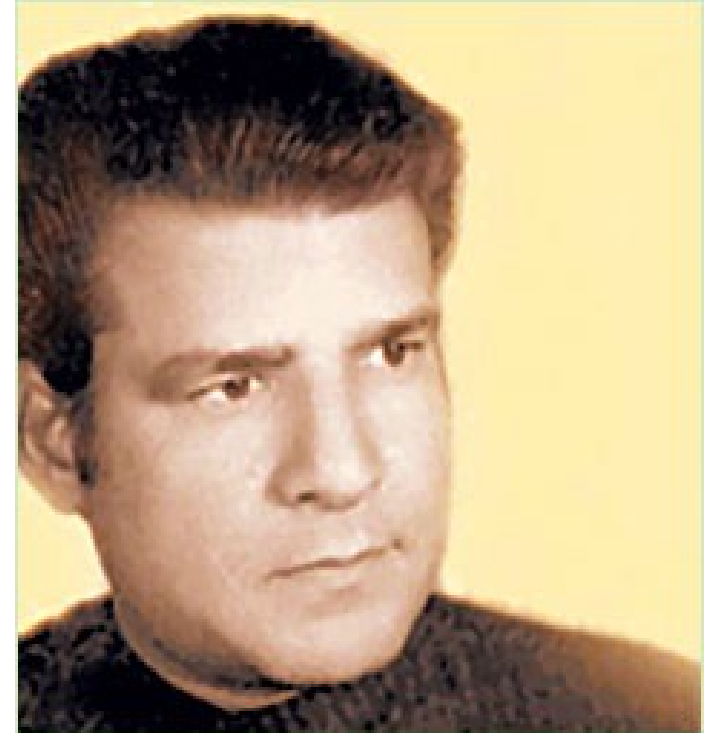
जिला- बिजनोर, उत्तर प्रदेश, भारत

दुष्यंत कुमार
कूछ प्रमुख कृतियाँ

❖ सभी कविता संग्रह:-

- १).सूर्य का स्वगत
- २).आवाजो के घेरे
- ३).जलते हुऐ वन का वसन्त

❖ गजल संग्रह:-सये में धूप



२).सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

नाम- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

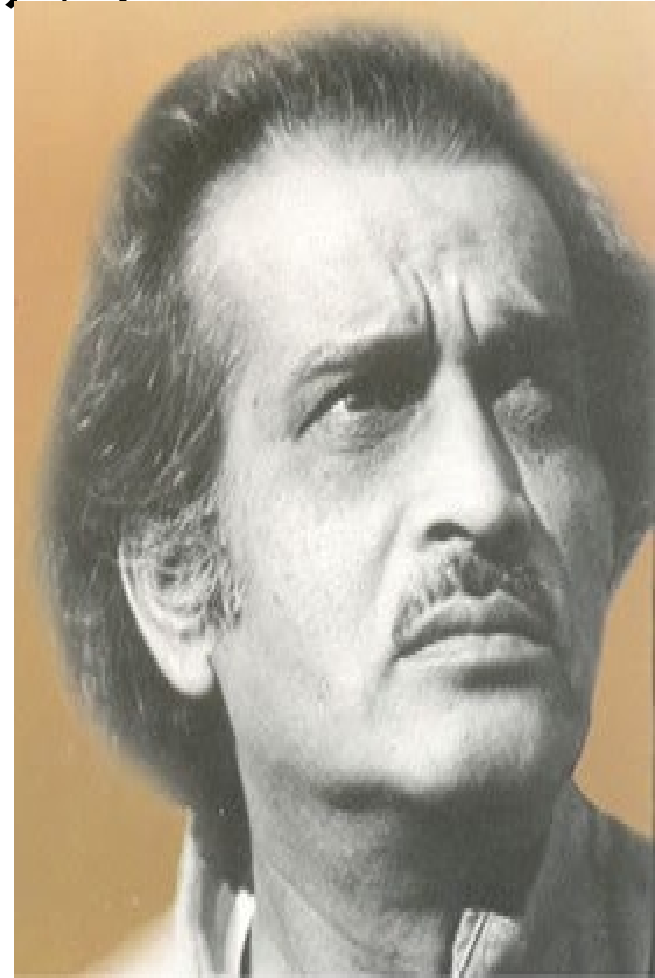
जन्म- १५ सितम्बर १९२७ को बस्ती में.

शिक्षा- इलाहाबाद से उन्होंने बिना और सन १९४९ में एम,ए. की परीक्षा उत्तीर्ण की।

मृत्यु- २३ सितम्बर १९८३ को नई दिल्ली में उनकी मृत्यु हो गया।

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना रचना संसार

- **काव्य**-१).तिसरा सत्यक अज्ञेय-१९५९
- २).काठ की घाटीयाँ-१९५९
- ३).बास का पुल-१९६३
- ४).एक सुनी नाव-१९६६
- ५).गर्म हवा



३).पंडित जवाहरलाल नेहरू

जन्म-१४नवम्बर१९१९

मृत्यु-१९६४



पंडित जवाहरलाल नेहरू

कूछ प्रमुख कृतियाँ

- 'मेरी कहाणी'-(आत्मकथा)
- 'इतिहास के महापुरुष', 'विश्व इतिहास की झलक', 'भारत एक खोज', 'राष्ट्रपिता'-आदि ला लेखन कार्य किया है।
- पंडित जवाहरलाल नेहरू स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री राहे।
- सन १९१२ में औद्योगीकरण आर्थिक नियोजन, आधुनिकीकरण आदि पर आधारित आधुनिक भारत के शिल्पकार है।
- अर्थशास्त्र, इतिहास, राज्यशास्त्र साहित्य से संबंधित लेखान कार्य किया है।

४).सूरदास (सन १४७८-१५८० ई)

- **कार्य**-सूरदास मध्ययुग के कृष्णभक्त कवियों में अग्रणी कावू है। उन्होंने पदों में कृष्ण के बाल-चरित्र के सुंदर दृश साकार किये हैं। उनका काव्य रासमय है। काव्य की भाषा लालित्यपूर्ण, मधुर और अलंकारिक ब्रजभाषा है।
- **प्रमुख कृतियाँ**:-सुरसागर, सुरसारावली, साहित्यलहरी यह कविताएँ प्रसिद्ध हैं।

सूरदास



५). राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज (सन १९०९-१९६८ई)

- **कार्यः**:-राष्ट्रसंत तुकडोजीमहाराष्ट्र के संत,भक्त कवि और समाजसुधारक है।उनका पुरा नाम है माणिक बंडोजी ठाकूर।पंढरपूर के विठ्ठल आराध्य है।बचपन से हे आप भजन-कीर्तन में रुची रही है।उनके मतानुसार अध्यात्मिक ज्ञान द्वारा व्यक्तिविकास और समाजजागृती होती है।
सर्वधर्मसमभाव,मानवता,राष्ट्रीयता,समता,बंधुता जैसे उदात्त मुल्ये काव्य की विशेषताये है।
- **प्रमुख कृतियाँ**:-हिंदी और मराठी में लगबग चालीस रचनाएँ प्रकाशित‘क्रांतीदीप भजनावली,ज्ञानदीप भजनावली,सुधा-सिंधू प्रश्नावली,भक्तीसुद्धा,आदि’.

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज

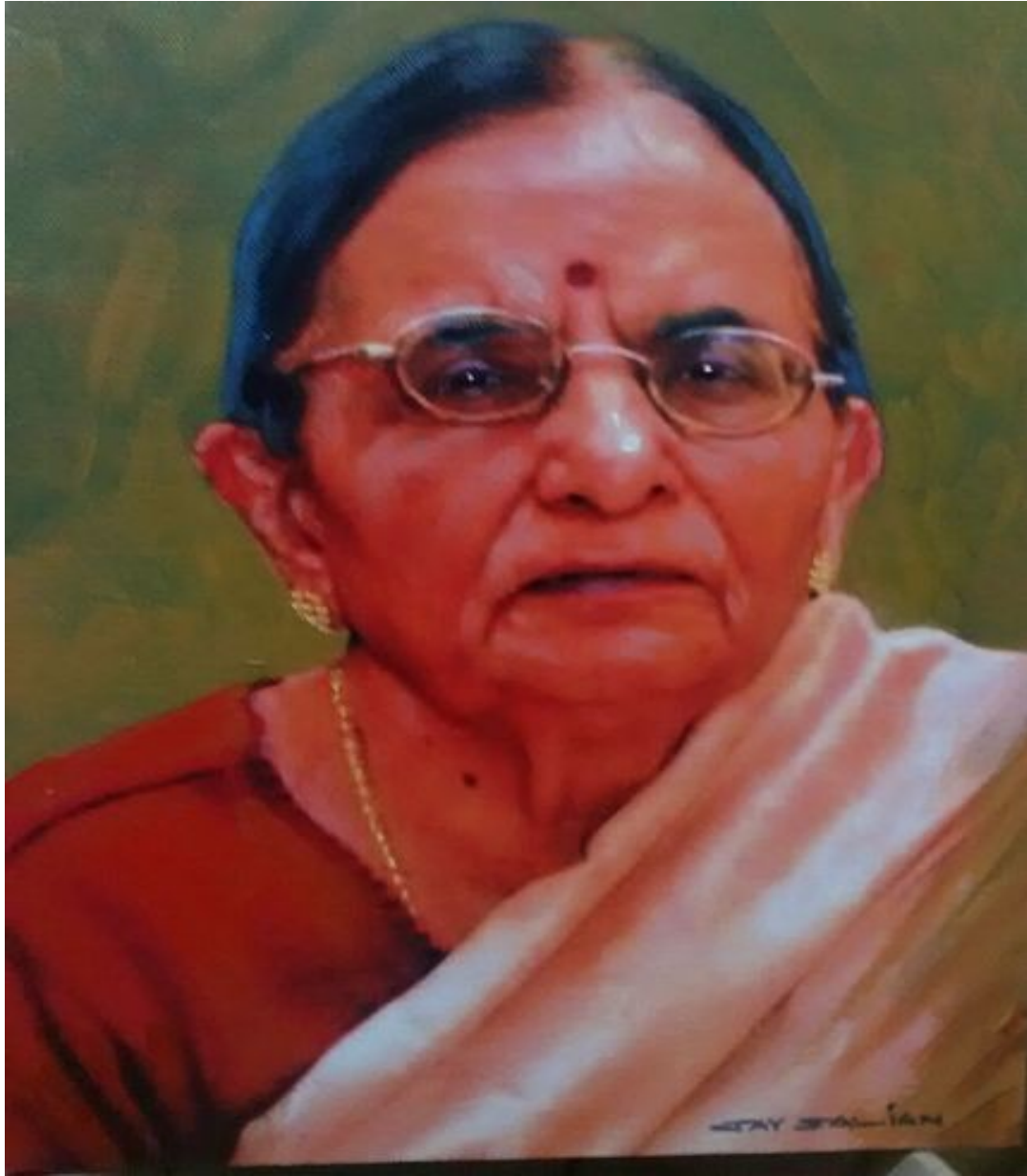


६)मालती जोशी

(सन १९३४)

- **कार्यः**-आधुनिक हिंदी महिला कथाकारों में मालती जोशी का नाम अग्रणी है। प्रारंभ में आप कविताएँ लिखती थीं। सन १९०१ के बाद कहानियाँ लिखना शुरू किया। उन्होंने अपने बच्चों के लिये भी कहानियाँ लिखी हैं। संगीत और गीत की जानकारि है। मराठी भाषी लेखिका ने हिंदी साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
- **प्रमुख कृतियाँ**:-दादी की घडी, रिश्वत एक प्यारी सी, रंग बरसते खरबुजे, मालती जोशी की कहानियाँ, राग-विराग, चटाक्ष, अमावस का चाँद, विश्वास गाथा पाषाण युग.
- महाराष्ट्र सरकार द्वारा पुरस्कृत आदि उपन्यास।

मालती जोशी



७).डॉ.विनय मोहन शर्मा (सन १९०५-१९९३ई)

- **परिचय**:-नाम-पंडित शुकदेव शास्त्री हे अध्यापन क्षेत्र के साथ जुडे राहे।नागपूर विश्वविध्यालय के हिंदी विभागाध्याक्ष बने।उन्होने स्वतंत्र रूप में प्रतिभा अध्यायानशीलता और मौलिक चिंतन के दर्शन होता है।
- **प्रमुख कृतियाँ**:-मीराँ की भूमिका,हिंदी गीत गोविंद,हिंदी को मराठी सांतो की देन,कवि प्रसाद,आँसू तथा अन्य कृतियाँ.
- वैचारिक,अलीचनात्मक लेखन.
- रेखा और रंग-रेखाचित्र संग्रह.

८). रचनाकार कबीर दास (सन १३१८-१५१८ई)

- ऐसा मना है की म्हण कवि एवं समाजसुधारक महात्मा कबीर का जन्म कशी में (सन १३१८ई)में हुआ था। शाक्तिकालीन निर्गुण काव्यधारी के संत कवि कबीरदास जी मानवता एवं समता के प्रबळ पक्षधर थे। आप के प्रति विद्रोह दिखाई देता है। भाषा सहज, सरल तथा सुबोध है।
- **प्रमुख रचनाएँ**:- साखी, सबद, रमैनी, इ.

९). रचनाकार: रहीम

- रहीम का पुरा नाम अब्दुरहीम खानखाना था। इका जन्म(सन १५५६ई) लाहौर(वर्तमान में पाकिस्तान)में हुआ था। आप स्मरत अकबर के नवरत्नों में से एक राहे हैं। स्वनाओं में भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के दर्शन होता है।
- ज्ञान, भक्ती तथा नीतिसंबंधी दोहों में अपने मानवजीवन के विविध पहलुंओ को अत्यंत सहज, सरल शैली में अभिव्यक्त किया है।
- **प्रमुख कृतियाँ**:- रहीम सतसई, श्रुंगार सतसई, मदनाष्टक, रस पंचाध्यायी, रहीम रत्नावली एवं बरवे नायिका-भेद-वर्णन।

धन्यवाद!